



SET – 2

Series : BVM/1

कोड नं.
Code No. 29/1/2

रोल नं.
Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।

29/1/2

1

P.T.O.

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारत की संस्कृति सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' की पक्षधर रही है। वह जाति, सम्प्रदाय और प्रांत की इकाइयों में राष्ट्र का हित नहीं देखती। इन इकाइयों के कारण व्यक्तियों में संघर्ष होता है और वह संघर्ष देश के हित में बाधक होता है क्योंकि उससे सामाजिक व्यवस्था भंग होती है। ये इकाइयाँ हैं तो संकुचित और झगड़ों की जड़, किंतु इनका अपना महत्त्व भी है।

अपनी जाति, सम्प्रदाय या वर्ग के लिए प्रयत्नशील रहना और अपने वर्ग के लोगों को राष्ट्र की सेवा के लिए एक उपयोगी इकाई बनाना, यहाँ तक तो कोई बुरी बात नहीं, बुराई वहाँ से शुरू होती है जहाँ इन संकुचित इकाइयों के पारस्परिक प्रेम में बाँधने वाले संबंध सूत्र दृढ़ पार्थक्य रेखाएँ बनकर घृणा और द्वेष के बीज बोने लगते हैं। लोग एक दूसरे से ही बैर नहीं करने लगते वरन् देश से भी विद्रोह करने लग जाते हैं – “धर्म और संस्कृति को खतरे में बताकर देश-विरोधी नारे लगाने लगते हैं और अपनी मूल संस्कृति को ताक पर रख देते हैं। जातीय पार्थक्य भावना देश में भेदभाव उत्पन्न कर देश को कमजोर बना सकती है। सामाजिक व्यवस्था में सब जातियों का महत्त्व बराबर समझा जाए, किसी के साथ भेदभाव न हो तो उत्तम है। इसी प्रकार साम्प्रदायिकता में अपने धर्म पर दृढ़ता के साथ परधर्म सहिष्णुता भी चाहिए।

हम चाहे जिस राज्य में भी रहें, भारतवासी पहले हैं। हम हिन्दू, मुसलमान, बौद्ध, सिक्ख-ईसाई होते हुए भी भाई-भाई हैं। अनेकता में एकता, विविधता में साम्य भारत की विशेषता है – धर्म, जाति, प्रांत सब राष्ट्र से बँधे हुए हैं। अतः हमें अपने में निष्ठा, देश-भक्ति, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का ज्ञान और भारत के प्रति सच्चे प्रेम का भाव रखना चाहिए।

- (क) जाति और संप्रदाय की भावना देश के लिए कब और कैसे अहितकर हो जाती है ? (2)
- (ख) साम्प्रदायिकता की भावना से क्या तात्पर्य है ? उसे कैसे दूर किया जा सकता है ? (2)
- (ग) जाति, सम्प्रदाय और प्रांत की इकाइयों को झगड़ों की जड़ क्यों कहा गया है ? (2)
- (घ) “हम भारतवासी पहले हैं” – इस कथन से लेखक का क्या मतव्य है ? स्पष्ट कीजिए। (2)
- (ङ) भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषता क्या बताई गई है ? उसका आशय स्पष्ट कीजिए। (2)
- (च) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)



2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1 × 5 = 5

धर्माधिराज का ज्येष्ठ बन् ?
भारत में सबसे श्रेष्ठ बन् ?
कुल की पोशाक पहन करके,
सिर उठा चलूँ कुछ तन करके ?
इस झूठमूठ में रखा क्या है
केशव ! यह सुयश, सुयश क्या है !
विक्रमी पुरुष, लेकिन सिर पर
चलता न छत्र पुरखों का धर ।
अपना बल तेज जगाता है,
सम्मान जगत से पाता है ।
सब उसे देख ललचाते हैं ।
कुल गोत्र नहीं साधन मेरा,
पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,
कुल ने तो मुझको फेंक दिया ।
मैंने हिम्मत से काम लिया ।
अब वंश चकित भरमाया है,
खुद मुझे ढूँढने आया है ।
जिस नर की बाँह गही मैंने
जिस तरु की छाँह गही मैंने
जीते जी उसे बचाऊँगा
या आप स्वयं कर जाऊँगा ।

- (क) कर्ण ने पांडव-कुल की श्रेष्ठता को क्यों ठुकराया ?
(ख) पराक्रमी पुरुष की क्या पहचान बताई गई है ?
(ग) कर्ण कुल-गोत्र की अपेक्षा किस गुण को महत्त्व देता है ?
(घ) किस प्रकार के व्यक्ति को देख लोग ललचाते हैं ?
(ङ) कर्ण किसे बचाने का संकल्प कर रहा है और क्यों ?

अथवा

29/1/2

3



P.T.O.

धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है
फूली सरसों से आके लिपट गई है
जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं
भैया की बाँहों से छूटी भौजाई-सी
लहँगे को लहराती हवा चली है
सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल के दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग-बिरंगी पंखुरियों की खोल चेतना
सौरभ से मह-मह महकाता है दिगंत को
मानव मन को भर देता है दिव्य दीप्ति से
शिव के नंदी-सा पानी पीता नदिका में
निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है
काल काग की तरह ढूँठ पर गुमसुम बैठा
सोई आँखों देख रहा है दिवावसान को ।

- (क) काव्यांश के आधार पर ग्रामीण परिवेश के दो दृश्यों का उल्लेख कीजिए ।
(ख) हवा की तुलना कवि ने किससे की है और क्यों ?
(ग) फूलों के खिल उठने का क्या प्रभाव चारों ओर पड़ता है ?
(घ) मानव मन दिव्य दीप्ति से कैसे भर उठता है ? स्पष्ट कीजिए ।
(ङ) किन पंक्तियों का आशय है कि साँझ का सौंदर्य देखकर समय भी मानो ठहर गया ?

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए :
- (क) समाचार-पत्र का महत्त्व
(ख) भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ
(ग) पर्यावरण प्रदूषण
(घ) भारतीय नारी

8



4. पढ़ने-लिखने की उम्र में भीख माँगने वाले बच्चों की समस्या पर किसी समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखिए और एक समाधान भी सुझाइए । 5

अथवा

सड़क को चौड़ा करने के बहाने अधिक पेड़ काटे जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के वन और पर्यावरण विभाग के मंत्री को पत्र लिखकर तुरंत कार्रवाई करने के लिए आग्रह कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : 1 × 4 = 4
- (क) जनसंचार माध्यमों के कुछ नकारात्मक प्रभाव गिनाइए ।
(ख) इंटरनेट की बढ़ती लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।
(ग) ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई ?
(घ) 'समाचार' शब्द की परिभाषा लिखिए ।
(ङ) संचार के प्रमुख तत्त्वों का नामोल्लेख कीजिए ।

6. प्लास्टिक के निरंतर बढ़ते जा रहे उपयोग के दुष्परिणामों पर एक आलेख लिखिए । 3

अथवा

'देश के विकास में युवाओं की भागीदारी' विषय पर एक फीचर लिखिए ।

खण्ड – 'ग'

7. निम्नलिखित में से **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेखबर !

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, जा मधि-सोधि सुधारि है लेख्यौ ।
ताही के चारु चरित्र विचित्रनि, यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो, आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घनआनद जान अजान लौं, टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ ।



8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 = 4
- (क) 'देवसेना का गीत' के आलोक में बताइए कि देवसेना की निराशा और वेदना के क्या कारण हैं ?
- (ख) विद्यापति के पदों के आधार पर नायिका की विरह वेदना स्पष्ट कीजिए ।
- (ग) तुलसीदास के पठित अंश के आधार पर राम और भरत के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए ।
- (घ) आशय स्पष्ट कीजिए –
- चोट खाकर राह चलते
होश के भी होश छूटे
साथ जो पाथेय थे
ठग ठाकुरों ने रात लूटे ।
9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 3 × 2 = 6
- (क) रक्त ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख ।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ॥
- (ख) ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई !
- (ग) इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ।
- (घ) पुलकि शरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज नयन नेह जल बाढ़े ॥
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ॥
10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5
- दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है । परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी । जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है । कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है । वह वशी है । वह वैरागी है । राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है ।
- अथवा**
- दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था । उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अन्दर 'स्व' से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप आत्माराम और निर्मलानंद है ।



11. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3 + 3 = 6
- (क) “यथास्मै रोचते विश्वम्” के लेखक ने कवि की तुलना प्रजापति से क्यों की है ?
- (ख) ‘जहाँ कोई वापसी नहीं’ लेख में लेखक ने ‘आधुनिक भारत के नए शरणार्थी’ किन्हें कहा है और क्यों ?
- (ग) आपकी पाठ्यपुस्तक में संकलित असगर वजाहत की लघु कथाओं में आप किसे सर्वाधिक सशक्त मानते हैं और क्यों ? तीन कारण लिखिए ।
- (घ) संवदिया के बारे में कहा जाता है कि वह संवाद को ज्यों का त्यों सुनाता है, फिर भी हरगोबिन बड़ी बहू गीता का संवाद नहीं सुना पाया । कारण स्पष्ट कीजिए ।

12. सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ **अथवा** घनानंद का जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 5

अथवा

रामविलास शर्मा **अथवा** भीष्म साहनी का जीवन परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. ‘सूरदास’ की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए और बताइए कि आपको इस पात्र से क्या प्रेरणा मिलती है ? 4

अथवा

सूरदास की झोंपड़ी में आग किसने और क्यों लगाई ? झोंपड़ी जलने के बाद सूरदास की मनोदशा पर टिप्पणी कीजिए ।

14. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4 + 4 = 8

- (क) “... इसकी सच्चाई तो वही जाणै है, जिस पर सचमुच का पहाड़ टूटा है ।” ‘आरोहण’ कहानी के आधार पर भूपसिंह पर टूटे पहाड़ की चर्चा कीजिए ।
- (ख) ‘वह फूल की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी’ किसके बारे में कहा गया है, क्यों ? ‘सूरदास’ के संदर्भ में आशय स्पष्ट कीजिए ।
- (ग) ‘बिस्कोहर की माटी’ के आधार पर विसनाथ के गाँव की दो विशेषताएँ लिखिए जो आपको अच्छी लगें, कारण भी बताइए ।
- (घ) “हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है ।” क्यों और कैसे ? ‘अपना मालवा ...’ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।



• 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

29/1/2

8

